देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 229 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
एक सेकुलर शासक

पेज थ्री

देहरादून, गुरूवार, 19 दिसंबर 2024

मौसम अधिकतम 20.0° न्यूनतम 09.0°

82924.41

2 सुनीता विलियम्स की वापसी में देरी
7 अश्विन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

कांग्रेस खुद संविधान, आंबेडकर विरोधी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का खरगे के आरोपों पर पलटवार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान डॉ. बीआर आंबेडकर को लेकर दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष लगातार शाह से इस्तीफा मांग रहा है। अब गृह मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों में संविधान की गौरव गाथा पर चर्चा होनी थी। संसद में जब चर्चा होती है तो एक बात कॉमन होती है कि तथ्यों पर बात होनी चाहिए। मगर कांग्रेस कल से तथ्यों को तोड़–मरोड़कर पेश कर रही है। यह निंदनीय है।

उन्होंने शुरुआत में कहा, शविगत सप्ताह में संसद में लोकसभा और राज्यसभा में संविधान को स्वीकार किए हुए 75 साल के मौके पर संविधान की रचना, संविधान निर्माताओं के योगदान और संविधान में प्रस्थापित किए गए आदर्शों पर एक गौरवमयी चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा में 75 साल की देश की गौरव यात्रा, विकास यात्रा और उपलब्धियों की भी चर्चा होनी थी। ये तो स्वाभाविक है कि जब लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष–विपक्ष होते हैं, तो हर मुद्दे पर लोगों का, दलों का और वक्ताओं का नजरिया अलग–अलग होता है। मगर संसद जैसे देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक फोरम में जब चर्चा होती है, तब इसमें एक बात कॉमन होती है कि बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, इससे तय हो गया कि कांग्रेस आंबेडकर जी की विरोधी पार्टी है, कांग्रेस आरक्षण विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी है। कांग्रेस ने सावरकर जी का भी अपमान किया, कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान के सारे मूल्यों की धज्जियां उड़ा दी, नारी सम्मान को भी वर्षों तक दरकिनार किया, न्यायपालिका का हमेशा अपमान किया, सेना के शहीदों का अपमान किया और भारत की भूमि तक को संविधान तोड़कर दूसरे देशों को देने की हिमाकत कांग्रेस के शासन में हुई। जब तक कांग्रेस सत्ता में रही बाबा साहेब आंबेडकर का कोई स्मारक नहीं बना। जहां–जहां विपक्ष की सरकारें आती गईं, स्मारक बनते गए। 19 नवंबर 2015 को पीएम मोदी ने आंबेडकर जी के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया।

तोड़–मरोड़ कर रखने का प्रयास: गृहमंत्री

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने जिस प्रकार तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर रखने का प्रयास किया है वो निंदनीय है। मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं। ये इसलिए हुआ क्योंकि भाजपा के वक्ताओं ने संविधान पर, संविधान की रचना के मूल्यों पर और जब–जब कांग्रेस या भाजपा का शासन रहा, तब शासन ने संविधान के मूल्यों का किस तरह से मूल्यांकन, संरक्षण और संवर्धन किया, इस पर तथ्यों और अनेक उदाहरण के साथ भाजपा के वक्ताओं ने विषय रखे।

आंबेडकर के प्रति नेहरू की नफरत जगजाहिर

अमित शाह ने कहा, जब संसद में चर्चा चल रही थी, तो यह साबित हो गया कि कांग्रेस ने किस तरह बाबा साहेब आंबेडकर का विरोध किया। किस तरह कांग्रेस ने बाबा साहेब की मृत्यु के बाद भी उनका मजाक उड़ाने की कोशिश की... जहां तक भारत रत्न देने की बात है, कांग्रेस के नेताओं ने कई बार खुद को भारत रत्न दिया है। नेहरू ने 1955 में खुद को भारत रत्न दिया, इंदिरा गांधी ने 1971 में खुद को भारत रत्न दिया और बाबा साहेब को 1990 में भारत रत्न मिला, जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं थी और भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित सरकार थी... आंबेडकर के प्रति नेहरू की नफरत जगजाहिर है।

मेरे पास कांग्रेस के पापों की सूचीः पीएम मोदी

नई दिल्ली। बीआर आंबेडकर पर टिप्पणी को लेकर संसद में बवाल मचा हुआ है। इसी मुद्दे पर बुधवार को संसद के दोनों सदनों में विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया। इसी बीच, पीएम मोदी ने विपक्ष पर पलटवार किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस और उसका सड़ा तंत्र यह सोचता है कि दुर्भावनापूर्ण झूठ से उनके कई वर्षों के कुकर्मों, खासतौर से डॉ. आंबेडकर के प्रति उनके अपमान को छुपाया जा सकता है, तो वे गलत सोच रहे हैं। मोदी ने ये भी लिखा है कि आंबेडकर के प्रति कांग्रेस के पापों की सूची है। मोदी ने आगे कहा कि हम आज जो हैं, वह डॉ. बाबासाहेब की वजह से ही है।

संक्षिप्त समाचार

चार साल बाद उमर खालिद को मिली अंतरिम जमानत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने बुधवार को जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को यूएपीए मामले में अंतरिम जमानत दे दी, जिसमें 2020 के उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित एक बड़ी साजिश का आरोप लगाया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने परिवार में एक शादी में शामिल होने के लिए खालिद को 7 दिनों की अंतरिम जमानत दी। अंतरिम जमानत की शर्तें हैं कि खालिद मामले से जुड़े किसी भी गवाह और किसी भी व्यक्ति से संपर्क नहीं करेगा।

समुद्र में पलटी यात्रियों से भरी नाव, एक की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर गेटवे ऑफ इंडिया के पास लोगों से भरी एक नाव अचानक पलट गई। इस हादसे में एक यात्री की मौत हो गई है। वहीं, 66 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, एक शख्स की मौत की खबर है।

उत्तराखंड में जनवरी से लागू होगी समान नागरिक संहिता: मुख्यमंत्री

यूसीसी लागू करने की दिशा में होमवर्क पूरा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जनवरी 2025 से समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को सचिवालय में यूआईआईडीबी की बैठक के दौरान सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने संकल्प के अनुसार, समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में होमवर्क पूरा कर चुकी है।

सीएम धामी ने कहा कि मार्च 2022 में प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति, गठित करने का निर्णय लिया गया था। इस क्रम में सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया।

समिति की रिपोर्ट के आधार पर 07 फरवरी, 2024 को राज्य विधान सभा से समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया गया। इस विधेयक पर महामहिम राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद 12 मार्च, 2024 को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसी क्रम में अब समान नागरिक संहिता, उत्तराखण्ड 2024 अधिनियम की नियमावली भी तैयार कर ली है। इस तरह उत्तराखंड अब जनवरी से समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए, संहिता के प्रावधान लागू करने के लिए कार्मिकों का समुचित प्रशिक्षण देने के साथ ही सभी तरह की आधारभूत सुविधाएं जुटा ली जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी, 2025 में उत्तराखंड में राज्य समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। उत्तराखंड का समान नागरिक संहिता कानून, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की मूल भावना पर चलते हुए, समाज को नई दिशा देगा। यह कानून विशेषकर देवभूमि की महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के नए द्वार खोलेगा।

एक पोर्टल तथा मोबाइल एप भी तैयार किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन सामान्य की सुलभता के दृष्टिगत समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक पोर्टल और मोबाइल एप भी तैयार किया गया है, जिससे कि पंजीकरण, अपील आदि की समस्त सुविधाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अमित शाह को बर्खास्त करें पीएम मोदीः खरगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संसद में भीमराव आंबेडकर पर की गई अमित शाह की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को जमकर निशाना साधा। खरगे ने पीएम मोदी से मांग की कि वे आज रात 12 बजे तक गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त करें। उन्हें कैबिनेट में रहने का कोई अधिकार नहीं है। मालूम हो कि शाह ने मंगलवार को संसद में आंबेडकर का जिक्र किया था, जिसके बाद विपक्ष आगबबूला हो गया। कांग्रेस के तमाम नेताओं ने एक वीडियो अंश जारी किया, जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं ,अभी एक फैशन हो गया है– आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि गृह मंत्री की बातों को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, कल अमित शाह ने एक बात कही जो बहुत ही निंदा करने लायक है। मुझे मजबूरन कहना पड़ रहा है कि ये लोग संविधान को नहीं मानते हैं। स्वर्ग और नर्क की बात करते हैं तो मनुस्मृति की बात करते हैं। गृह मंत्री ने जिस तरह से बाबासाहेब का अपमान किया, उसे लेकर पूरे विपक्ष ने विरोध जताया है।

निशाना

■आंबेडकर विवाद पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की मांग

बड़े गहरे दोस्त हैं, एक–दूसरे के पाप को धोते

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह को टोकने के बजाय उनका समर्थन किया। खरगे ने कहा कि दोनों बड़े गहरे दोस्त हैं, एक–दूसरे के पाप को धोते हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

सुझाव और मांग के लिए कोर्ट के दरवाजे हमेशा खुले

■किसानों द्वारा बातचीत से इनकार करने पर सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को लेकर पंजाब सरकार को चेताया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि अगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के साथ कुछ भी अनहोनी हुई तो इसके लिए पंजाब सरकार जिम्मेदार होगी। बता दें कि किसान नेता डल्लेवाल 23 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हुए हैं।

इसको लेकर कोर्ट ने बुधवार को कहा कि हम साफ करना चाहते हैं कि अदालत के दरवाजे किसानों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा किसी भी मांग या सुझाव के लिए हमेशा खुले हैं। कोर्ट ने दल्लेवाल के स्वास्थ्य पर भी संज्ञान लिया और पंजाब सरकार से जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता देने को कहा।

पंजाब सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसानों से कई बार बातचीत की गई, लेकिन उन्होंने उच्चस्तरीय समिति से मिलने से इंकार कर दिया।

न्यूज डायरी

अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की वापसी में फिर होगी देरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स लंबे समय से स्पेस में फंसी हुई हैं। 5 जून को वह बोइंग स्टारलाइनर के जरिए अपने साथी बुच विल्मोर के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में गई थीं। स्टारलाइनर में तकनीकी समस्याओं के कारण उनकी वापसी संभव नहीं हो पाई। उनकी वापसी में एक बार फिर देरी हो रही है। अगले क्रू लॉन्च में देरी के कारण ऐसा हुआ है। अंतरिक्ष यात्री मूल रूप से फरवरी 2025 में लौटने वाले थे। लेकिन नासा ने मंगलवार को घोषणा की कि वे कम से कम मार्च के अंत तक अंतरिक्ष में रहेंगी। दोनों का मिशन मूल रूप से 8 दिनों का होने वाला था। लेकिन स्टारलाइनर के साथ हीलियम लीक और कमजोर थ्रस्टर्स जैसी समस्याओं के कारण नासा को इसे खाली पृथ्वी पर वापस लाने के लिए मजबूर होना पड़ा। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में ही रुके रहे और अपना काम जारी रखा। जबकि नासा ने अपनी योजनाओं को बनाना जारी रखा। देरी एक नए स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन कैप्सूल की तैयारियों के कारण हुई है, जिसमें नासा और स्पेसएक्स ने काम की स्पीड से ज्यादा सुरक्षा को प्राथमिकता देने का विकल्प चुना है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मिशन आमतौर पर छह महीने तक चलते हैं। लेकिन देरी के कारण विल्मोर और विलियम्स लगभग 10 महीने स्पेस में बिताएंगे।

मक्का–मदीना के पास 90 प्रतिशत पॉकेटमार पाकिस्तानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सरकार ने 4300 से ज्यादा कथित भिखारियों को नो–फ्लाई लिस्ट में डाल दिया है। पाकिस्तान ने यह कदम सऊदी अरब और दूसरे खाड़ी देशों की चेतावनी के बाद उठाया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, अरब देशों ने पाकिस्तान से कहा था कि वो अपने यहां से ऐसे लोगों को ना भेजे,जो धार्मिक यात्रा के वीजा पर आकर भीख मांगते हैं। इतना ही नहीं, मक्का की मस्जिद से गिरफ्तार हुए 90 प्रतिशत पॉकेटमार भी पाकिस्तानी ही निकले हैं। सऊदी अरब ने पाकिस्तान के सामने अपनी चिंता जाहिर की और कहा कि अगर पाकिस्तान भिखारी भेजना बंद नहीं करेगा तो एक्शन लिया जाएगा। वहीं यूएई और दूसरे अरब देशों की ओर से भी इस तरह की शिकायत पाकिस्तान को मिली थी। इसके बाद देश के 4300 भिखारियों को एग्जिट कंट्रोल लिस्ट में डाल दिया गया। यानी अब लोग हज और उमराह के बहाने देश से बाहर नहीं जा पाएंगे। पाकिस्तान के इंटीरियर मिनिस्टर यानी गृहमंत्री मोहसिन रजा नकवी ने ये बात शेयर की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गृह मंत्री ने कहा, जो लोग भीख मांगने के लिए पाकिस्तान जाते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। मोहसिन रजा नकवी ने ये भी कहा कि पाकिस्तान जाने वाले सऊदी नागरिकों के लिए वीजा की कोई आवश्यकता नहीं है।

कैंसर मरीजों के लिए गुड न्यूज, रूस ने किया वैक्सीन बनाने का दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आज पूरी दुनिया कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से परेशान है। इस बीच रूस ने इस बीमारी के समाधान के लिए एक बड़ा एलान किया है, रूस ने कहा कि उसने कैंसर की वैक्सीन बना ली, जो सभी नागरिकों के लिए फ्री में उपलब्ध होगी। सरकारी मीडिया के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के प्रमुख एंड्री काप्रिन ने कहा कि शॉट 2025 की शुरुआत में लॉन्च होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी खुद की उत्छ। वैक्सीन विकसित की है। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एलान किया है उसने कैंसर के खिलाफ एक टीका विकसित किया है जिसे 2025 की शुरुआत से रूस के कैंसर रोगियों को फ्री में लगाया जाएगा। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के जनरल डायरेक्टर एंड्री काप्रिन ने रूसी रेडियो चौनल पर इस वैक्सीन को लेकर जानकारी दी। इस वैक्सीन का इस्तेमाल स्पष्ट रूप से कैंसर रोगियों के इलाज के लिए किया जाएगा। रूसी सरकारी वैज्ञानिकों ने इसे लेकर ऐसी टिप्पणी की है कि, प्रत्येक शॉट व्यक्तिगत रोगी के लिए रजिस्टर्ड है।

जनरल इगोर किरिलोव की हत्या के आरोपी को पुलिस ने लिया हिरासत में

पूछताछ में बम लगाने की बात कबूल की

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस ने बुधवार को उज्बेकिस्तान के एक नागरिक को हिरासत में लिया है। इस व्यक्ति ने यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के निर्देश पर एक दिन पहले मास्को में लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की हत्या करने वाला बम लगाने की बात कबूल की है। किरिलोव, जो रूस के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख थे, अपने अपार्टमेंट की इमारत के बाहर अपने सहायक के साथ एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपे बम के फटने से मारे गए। वह यूक्रेन द्वारा रूस के अंदर मारे जाने वाले सबसे वरिष्ठ रूसी सैन्य अधिकारी थे।

यूक्रेन की एसबीयू खुफिया सेवा, जिसने किरिलोव पर यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया था, जिसे मॉस्को ने नकार दिया, ने हत्या की जिम्मेदारी ली है।

रूस की जांच समिति, जो गंभीर अपराधों की जांच करती है, ने बुधवार को एक बयान में कहा कि अज्ञात संदिग्ध ने पूछताछ के दौरान उन्हें बताया था कि वह मॉस्को आया था, जहां उसे हमले के लिए एक इम्प्रोवाइज्ड विस्फोटक उपकरण मिला था। बयान में कहा गया कि उसने बताया कि उसने किस प्रकार इस उपकरण को एक इलेक्ट्रिक स्कूटर पर रखा था, जिसे उसने उस अपार्टमेंट ब्लॉक के प्रवेश द्वार के बाहर पार्क किया था, जहां किरिलोव रहते थे।

जांचकर्ताओं ने उसके हवाले से बताया कि उसने पास में ही एक किराये की कार में निगरानी कैमरा लगाया था और हत्या के आयोजकों ने, जो उसके अनुसार यूक्रेनी शहर दिनप्रो में स्थित थे, किरिलोव पर नजर रखने के लिए कैमरे का इस्तेमाल किया था और जब वह इमारत से बाहर निकले तो दूर से ही डिवाइस में विस्फोट कर दिया था। बयान में कहा गया कि संदिग्ध व्यक्ति, जिसका जन्म 1995 में हुआ था, को हत्या में उसकी भूमिका के लिए 100,000 डॉलर तथा एक यूरोपीय देश में निवास की पेशकश की गई थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि वे इस हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर रहे हैं और दैनिक कोमर्सेंट अखबार ने बताया कि एक अन्य संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। रॉयटर्स स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं कर सका।

इगोर की हत्या के बाद रूसी सैन्य अधिकारियों की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के साथ बदला लेने पर उच्च स्तरीय बैठकें हो रही हैं। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि अब यूक्रेन के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व को इसका खामियाजा भुगतना होगा। मॉस्को ने कहा कि कीव को इसकी सजा मिलेगी।

जितना आप हम पर टैरिफ लगाते हैं, हम भी उतना लगाएंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पद संभालने से पहले भारत को बड़ी धमकी दी है। ट्रंप ने भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की धमकी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, भारत अमेरिकी सामान पर जितना टैक्स लगाएगा, उतना ही टैक्स अमेरिका भारतीय सामान पर लगाएगा। मार–ए–लागो में एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने ये बयान दिया है। उन्होंने कहा, यदि वे हम पर कर लगाते हैं तो हम भी उन पर उतना ही टैक्स लगाएंगे। लगभग सभी मामलों में, वे हम पर कर लगा रहे हैं, और हम उन पर कर नहीं लगा रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा, अगर भारत हमसे 100 प्रतिशत शुल्क लेता है, तो क्या हम उनसे इसके लिए कुछ भी शुल्क नहीं लेते हैं? आप जानते हैं, वे एक साइकिल भेजते हैं और हम उन्हें एक साइकिल भेजते हैं। वे हमसे 100 और 200 शुल्क लेते हैं।

भारत बहुत अधिक शुल्क लेता है। अगर वे हमसे शुल्क लेना चाहते हैं, तो ठीक है, लेकिन हम उनसे वही शुल्क लेंगे। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने भी कनाडा को भी चेतावनी दी थी कि अगर वे अमेरिका में नशीली दवाओं और अवैध आप्रवासियों के प्रवाह को रोकने में विफल रहते हैं तो अपने प्रशासन के पहले दिन से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे।

तुलसी गबार्ड ने न्यूयॉर्क में बने अक्षरधाम मंदिर में किए दर्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य तुलसी गबार्ड ने न्यूयॉर्क में बने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, प्रतिष्ठित अक्षरधाम मंदिर में जाना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मैं देश भर से एकत्रित हुए हिंदू नेताओं, रॉबिंसविले के मेयर और परिषद के सदस्यों और प्रार्थना, संगति और एकता की विशेष शाम के लिए एकत्रित हुए हजारों लोगों के द्वारा किए गए स्वागत के लिए आभारी हूँ। बता दें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद पर नियुक्त किया है, जिन्होंने 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी थी। यह एक ऐसा पद है जिसमें अत्यधिक गोपनीय खुफिया जानकारी तक उनकी पहुंच होगी तथा 18 जासूसी एजेंसियां उनकी निगरानी में होंगी।

भारत के साथ मिलकर काम करेगा चीनी ड्रैगन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- चीनी विदेश मंत्री से मिले एनएसए अजित डोभाल
- सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बनी थी सहमति

बीजिंग। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मुलाकात की। दोनों के बीच एलएसी पर शांति के प्रबंधन और पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय से जमे हुए द्विपक्षीय संबंधों की बहाली सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही विदेशमंत्री ने कहा– चीन भारत के साथ काम करने को तैयार है। डोभाल भारत और चीन के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की 23वीं बैठक में शामिल होने पहुंचे थे।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे डोभाल पांच साल के अंतराल के बाद हो रही विशेष प्रतिनिधियों की 23वें दौर की वार्ता में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे। आखिरी बैठक 2019 में दिल्ली में हुई थी। बातचीत चीन के समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू हुई।

चीन के दौरे पर गए एनएसए अजीत डोभाल ने बीजिंग में विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात की। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच पूर्वी लद्दाख में 21 अक्टूबर को सैनिकों की वापसी और गश्त के समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बनाने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद थी। भारत–चीन के बीच इस साल अक्टूबर में सीमा विवाद को सुलझाने के लिए सहमति बनी थी। इसके लिए दोनों देशों ने अजित डोभाल और वांग यी को स्पेशल प्रतिनिधि बनाया था। 2019 के बाद ये पहला मौका है जब भारत का कोई सीनियर अधिकारी चीन के दौरे पर है। इससे पहले 2019 में विदेशमंत्री जयशंकर ने बीजिंग का दौरा किया था।

चीन और भारत के नेताओं के बीच महत्वपूर्ण आम समझ को लागू करने, एक–दूसरे के मूल हितों और प्रमुख चिंताओं का सम्मान करने, बातचीत और संचार के माध्यम से आपसी विश्वास को मजबूत करने के साथ मतभेदों को ठीक से निपटाने और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए चीन भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है।

खालिस्तानी गुरपतवंत पन्नू की नई धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भारत को निशाना बनाया है। पन्नू ने वीडियो जारी करते हुए अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा के खिलाफ जहर उगला है तो रूस को भी धमकी दी है। पन्नू का कहना है कि भारत को खालिस्तानियों के खिलाफ अभियान चलाने में रूस से मदद मिल रही है। रूस ने खालिस्तानियों की खुफिया जानकारी भारत को दी है। ऐसें में रूसी मिशनों को भी उनका संगठन निशाना बनाएगा। प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि रूस और भारतीय राजनयिक विनय क्वात्रा को सबक सिखाया जाएगा। पन्नू ने दुनियाभर में रूसी मिशनों पर हमला करने की धमकी दी है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

चालू वित्तीय वर्ष को निर्गत धनराशि को समय पर खर्च करने के निर्देश

बैठक

प्रभारी मंत्री ने ली जिला योजना की बैठक, विकास कार्यों व योजनाओं की प्रगति पर जताया संतोष

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद प्रभारी मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा ने बुधवार को जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष हेतु निर्गत धनराशि को समय पर खर्च करने के निर्देश दिए। जिला योजना की बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि हाल ही में केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण जनपद में विकास कार्य कुछ समय के लिए बाधित हो गए थे। हालांकि, अब इन कार्यों को तेज गति से पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ परियोजनाओं में अभी भी थोड़ी स्थिरता बनी हुई है, जिसे जल्द दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि केंद्र पोषित और राज्य पोषित योजनाओं का लाभ जनता तक पूरी तरह पहुंचे। उन्होंने इन योजनाओं के शत–प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करना सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने निर्माण कार्यों और योजनाओं के अनुपालन में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ काम करें, ताकि आम जनता को इन योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने जनपद में चल रहे विकास कार्यों की नियमित समीक्षा और निगरानी की बात कही, ताकि विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता में कोई कमी न आए।

रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि आज आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अधिकतर विभागों के कार्यों की प्रगति संतोषजनक पाई गई है। उन्होंने कहा कि योजनाओं को धरातल पर लाने में जिन विभागों की गति धीमी है उनको विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

केदारनाथ विधायक श्रीमती आशा नौटियाल ने केदारनाथ यात्रा को लेकर अभी से तैयारियां करने का सुझाव दिया। उन्होंने यात्रा मार्ग पर पार्किंग विकसित करने सहित शौचालय निर्माण व साफ सफाई की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार, प्रभागीय वनाधिकारी कल्याणी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, उप जिलाधिकारी आशीष चंद्र घिल्डियाल, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र कुमार बिष्ट, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, जिला सेवायोजन अधिकारी सुशील चमोली, पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

जीवन रक्षा में रक्तदान की महत्वपूर्ण भूमिकाः अनिरूद्ध भाटी

संवाददाता हरिद्वार। जीवन रक्षा में रक्तदान की महत्वपूर्ण भूमिका है। मानव जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि रक्त का कोई विकल्प नहीं यह विचार यह विचार मोक्ष धाम आश्रम, मुखिया गली, भूपतवाला, हरिद्वार में कौशिक मेडिकल ब्लड वॉलंटियर्स हरिद्वार द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नि0 भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी ने व्यक्त किये। अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि वर्तमान में फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप की दुनिया में लोग एक दूसरे की मदद के लिए समय नहीं निकाल पाते है, धीरे–धीरे लोग सामाजिक सरोकार से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे वातावरण में कौशिक मेडिकल ब्लड वॉलंटियर्स हरिद्वार के सुनील शर्मा व अनिल शर्मा ने रक्तदान शिविर का आयोजन कर समाज को प्रेरणा देने का कार्य किया है।

वन्य जीवों से खेती की सुरक्षा को कृषि विभाग कर रहा चैन फेंसिंग

संवाददाता चमोली। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में कृषि से किसानों की आय में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में कृषि विभाग की ओर से खेतों की सुरक्षा की अभिनव पहल शुरू की गई है। योजना के तहत विभाग की ओर से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 4 सौ हेक्टेयर कृषि भूमि की चेन फेंसिंग की जा रही है। प्रभारी कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी राजेश खेतवाल ने बताया कि चमोली जनपद में वन्य जीवों द्वारा फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान किया जा रहा था। जिसे देखते हुए विभाग की ओर से जिला योजना के तहत 2 करोड़ 86 लाख 75 की लागत से 65 स्थानों पर योजना का कार्य किया जा रहा है। योजना के तहत जनपद में 4 हेक्टेयर भूमि की वन्य जीवों से सुरक्षा की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्तमान तक 35 योजना कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। जबकि 27 योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

एनएसडीसी इंटरनेशनल और फिजिक्सवाला ने किया बिग का शुभारंभ

संवाददाता देहरादून। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल और फिजिक्सवाला, जो एक एडटेक कंपनी है, ने मिलकर एक पहल शुरू की है जिसे भारत इनोवेशन ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड (बिग) के नाम से जाना जाएगा। यह पहल भारत को एक वैश्विक शिक्षा केंद्र में बदलने के विजन की ओर एक बड़ा कदम है। बिग का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा को कार्यक्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है, ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी को कम किया जा सके। यह काम तकनीक आधारित और उद्योग से जुड़े शिक्षण तरीकों के जरिए किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने हिमवंत कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता चमोली। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बुधवार को पोखरी में आयोजित हिमवंत कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल खादी ग्रामोद्योग एवं पर्यटन शरदोत्सव मेले में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने प्रकृति के चितेरे कवि चन्द्र कुंवर बर्त्वाल को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कैबिनेट मंत्री के पोखरी पहुंचने पर मेला समिति के पदाधिकारियों ने फूल मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया गया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मेले हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के जीवंत प्रतीक हैं। हम सबको उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर भव्य रूप से आगे बढाना है, ताकि आने वाली युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी रहे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विकास और रोजगार सृजन के लिए राज्य सरकार द्वारा अभूतपूर्व काम किए जा रहे है। पशुपालन जैसे परंपरागत क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ताकि गांवों को खुशहाल और आत्मनिर्भर बनाया जा सके। कहा कि सरकार 70 नए गौ सदन बनाने जा रही है। पोखरी में गौ सदन बनकर तैयार हो गया है।

कहा कि चमोली जिले को 17 नए चिकित्सक और एंबुलेंस दी गई है, ताकि यहां पर पशुपालन का काम अच्छे से चले और लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही पोखरी में पशु चिकित्सालय भवन की मरम्मत कराने के साथ ही आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। पोखरी क्षेत्र में जीर्णशीर्ण पशु सेवा केंद्रों को भी ठीक कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नशे के खिलाफ है।

एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

संवाददाता रुद्रप्रयाग। नियोजन विभाग, उत्तराखंड शासन के निर्देशानुसार, जिला कार्यालय सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों में जनपद की रैंकिंग को और बेहतर बनाने हेतु कार्मिकों को समर्पित एवं लक्ष्य–आधारित प्रयासों के प्रति जागरूक करना था। राज्य स्तरीय विशेषज्ञ करुणाकर सिंह ने कार्यशाला में सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित जनपद की प्रगति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ''जीरो हंगर,'' ''क्वालिटी एजुकेशन,'' ''सतत शहरी विकास,'' और ''पुलिस विभाग'' से संबंधित संकेतकों में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण वर्ष 2022–23 में जनपद की रैंकिंग प्रभावित हुई थी। इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

उप जिला अस्पताल का शासनादेश व वित्तिय स्वीकृति होने पर धरना प्रदर्शन स्थगित

संवाददाता

पुरोला। भाजपा के पूर्व अनिसुचित जाती मोर्चे के जिला महामंत्री रहे प्रकाश कुमार के नेतृत्व में बुधवार को पुरोला मुख्य बाजार सहित तहसील मुख्यालय में पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत अपनी 27 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर क्रमिक अनशन पर 14 दिनों से बैठे ग्रामीणों ने पुरोला की मुख्य मांग उप जिला चिकित्सालय का शासनादेश व वित्तिय स्वीकृति मिलने पर मुख्यमंत्री धामी व क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश लाल का आभार जताया तथा सुराणू सेरी, श्रीकोट आदि के सड़कों की जल्दी स्वीकृति देने के मांग के साथ तहसील प्रांगण में धरना स्थगित किया।

उल्लेखनीय है कि 14 दिनों से जारी धरना प्रदर्शन में पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बुधवार को प्रकाश कुमार के नेतृत्व में सुकडाला,सुराणु की सेरी,श्रीकोट,छाड़ा, तेगड़ा आदि के ग्रामीणों ने पुरोला में बाईपास सड़क निर्माण, उपजिला चिकित्सालय का शासनादेश जारी करने,अस्पताल में ब्लड बैंक सहित मूलभूत सुविधाओं को स्थापित करने, सुकडाला सुराणु की सेरी मोटरमार्ग निर्माण, घुंडाडा–श्रीकोट मोटर मार्ग डामरीकरण आदि सहित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर ढोल बाजों के साथ मुख्य बाजार होते हुए तहसील प्रांगण में धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारे बाजी करते हुए उपेक्षा का आरोप लगाया।

ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए प्रकाश कुमार डबराल व रीना सेमवाल ने कहा कि अस्पताल को उच्चीकरण को वित्तीय स्वीकृति मिलने पर हम प्रदेश सरकार और क्षेत्रीय विधायक का आभार करते हैं किंतु क्षेत्र की सुराणू सेरी,तेगडा सहित कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें निर्माण की डीपीआर शासन में धूल फांक रही है उन्होंने कहा कि आये दिन पुरोला में जाम की समस्या से लोगों को आवागमन की दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। यंहा तक कि कई बार एम्बुलेंस भी जाम में घण्टों फंसी रह जाती है। उन्होंने सरकार व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से सड़कों का शासनादेश जारी करने की मांग की है।

5 दिवसीय विशेष खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

संवाददाता चमोली। खेल मैदान गोपेश्वर में 04 दिसंबर, 2024 से 18 दिसंबर, 2024 तक जूनियर बालिकाओं की वॉलीबॉल, खो–खो कबड्डी एवं एथलेटिक्स खेलों के 15 दिवसीय विशेष खेल प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम के अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र, खेल किट एवं स्पोर्ट्स ट्रैकशूट प्रदान कर किए।

प्रशिक्षण शिविर में जनपद चमोली के विभिन्न विकास खण्डों की 17 शिक्षण संस्थाओं की 75 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी प्रतिभाग करने को कहा। जिससे कि वे एक अच्छे खिलाड़ी बन कर जनपद एवं राज्य का नाम खेल जगत में रोशन कर सकें।

एक सेकुलर शासक

राष्ट्रपति बशर अल-असद हों या उनके पिता हाफिज अल-बशर, दोनों निरंकुश माने जाते रहे, लेकिन सीरिया में दोनों ने सेकुलर नीति अपनाई। उनके शासन काल में इस्लामी कट्टरपंथियों पर अंकुश बना रहा।

रहीस सिंह।।

सीरिया में जिस तरह से इस्लामी विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़ने को मजबूर हुए, वह अप्रत्याशित तो है ही, पूरे पश्चिम एशिया के लिए अनिश्चितता के एक नए सिलसिले की शुरुआत साबित हो सकता है। इस प्रकरण में कई ऐसे पहलू हैं, जो भारत की चिंता से सीधे तौर पर जुड़ते हैं।

चाहे राष्ट्रपति बशर अल-असद हों या उनके पिता हाफिज अल-बशर, दोनों निरंकुश माने जाते रहे, लेकिन सीरिया में दोनों ने सेकुलर नीति अपनाई। उनके शासन काल में इस्लामी कट्टरपंथियों पर अंकुश बना रहा। अब उनकी जगह काबिज हुए इस्लामी विद्रोहियों के संभावित रुख को लेकर दुनिया भर में आशंकाएं हैं। सीरिया में उनकी वजह से ISIS जैसे आतंकवादी समूह के फिर से सिर उठाने का डर पैदा हो गया है। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या आने वाले दौर में भारतीय उपमहाद्वीप में आतंकी तत्वों की सक्रियता बढ़ने वाली है।

सीरिया के साथ भारत के आर्थिक रिश्ते भले ही ज्यादा प्रगाढ़ न हुए हों, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों एकजुट रहे हैं। यही नहीं, बशर अल-असद ने कश्मीर के सवाल पर हमेशा भारत का साथ दिया। यहां तक कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर भी सीरिया ने कहा था कि यह भारत का आंतरिक मामला है और किसी भी देश को अपने भूभाग में नागरिकों की हिफाजत के लिए जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। देखना होगा कि बदले हालात में सीरिया के रुख में किस तरह का और कितना बदलाव आता है।

विद्रोही गुटों को हासिल तुर्किये के कथित समर्थन को देखते हुए कुछ एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि सीरिया के नए निजाम की नीतियों पर उसका प्रभाव दिखेगा। अच्छी बात यह है कि तुर्किये के साथ भारत के रिश्तों में पिछले कुछ समय में सुधार देखा जा रहा है। जहां कश्मीर पर उसके रुख में नरमी आई है, वहीं भारत ने भी ब्रिक्स में तुर्किये की एंट्री को रोकने का प्रयास नहीं किया।

सीरिया के घटनाक्रम पर भारत ने जिस तत्परता से अपना रुख स्पष्ट किया, वह भी काफी कुछ कहता है। 24 घंटे के अंदर ही विदेश मंत्रालय ने सीरिया की एकता, अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखने की जरूरत बताते हुए कहा कि मसले का हल निकालने की प्रक्रिया न केवल शांतिपूर्ण बल्कि सीरिया की अगुआई वाली और समाज के सभी तबकों के हितों का ध्यान रखने वाली होनी चाहिए। जाहिर है, सीरिया मामले से जुड़े अपने हितों को लेकर भारत संवेदनशील और गंभीर है।

भगवान शिव

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। शिवराम अभी बीमार ही था कि उनके खेत में बारिश होने लगे थे भगवान के द्वारा और भगवान शिव खुद ही उनके खेत में हल चलाने के लिए आए थे उन्हों ने हल चलाया बीज को उगाने के लिए उस खेत में बीज को बोया। भगवान ही उसके को देखरेख में किया करते थे और किसी को भी कुछ भी कानो कान खबर नहीं थी। एक दिन की बात है भगवान शिव शिवराम के सपने में आता है और कहता है कि तुम्हारे खेत में बहुत सारे फसल लहलहा रहा है तुम सो कर क्या कर रहे हो जाओ अपने फसल को काटो और उसे भेज दो इससे तुम्हारी जिंदगी की सारी मुसीबतें आसान हो जाएगी ही। इतना सुनते ही शिवराम की आंखें खुल गई और वह सपना टूट गया उन्होंने सोचा कि भगवान शिव खुद ही आकर अगर ऐसा कह रहे हैं तो हो सकता है कि हमारे बंजर खेत में बहुत सारी फसल हो सकते हैं।

...शेष कल

संपादकीय

कांग्रेस का बुरा हाल

पिछले लोकसभा चुनाव में कुछ बेहतर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस फिर से राष्ट्रीय स्तर पर बुरी स्थिति में पहुंच गई है। झारखंड में इंडिया ब्लॉक की जीत में भी इसकी भूमिका अहम नहीं रही है। न ही कुछ महीने पहले जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में अलायंस की जीत में उसका बड़ा रोल था। पहले हरियाणा और उसके बाद अब महाराष्ट्र में हार के बाद लगता है कि कांग्रेस बुनियादी चुनौतियों से जूझ रही है। उसे लोकसभा और विधानसभा चुनावों की गहराई से पड़ताल करनी चाहिए। इन नतीजों का राज्य और देश की राजनीति पर क्या असर होगा? पहला, इन दोनों अलायंस से बाहर जो दल हैं, वे हाशिये पर चले गए हैं। इसका संकेत पिछले लोकसभा चुनाव और उसके बाद के चुनावों में मिला था। दूसरी ओर, दोनों राज्यों में जीत से बीजेपी राहत की सांस ले सकती है, लेकिन उसे भी इस बारे में सोचना होगा कि झारखंड में पार्टी की हार क्यों हुई, जहां वह सत्ता में लौटने की उम्मीद पाले हुई थी।

सवाल यह है कि महायुति को इतनी बड़ी जीत कैसे मिली? पहली नजर में देखने पर यह कहा जा सकता है कि महायुति के पीछे महिला वोटरों के गोलबंद होने का यह नतीजा है। लाडकी बहिण योजना को इसका क्रेडिट दिया भी जा रहा है।

महायुति का दबदबा

राहुल वर्मा।।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर जो जोश और रहस्य बना हुआ था, नतीजों ने उस पर पानी फेर दिया। जब रिजल्ट आए तो पता चला कि वहां महायुति अलायंस के पक्ष में एकतरफा माहौल था। नतीजों से पहले एक्सपर्ट्स ने दावा किया था कि महाराष्ट्र में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। यह भी कहा जा रहा था कि निर्दलीय और बागी प्रत्याशियों के साथ जिलास्तर के राजनीतिक क्षत्रप तय करेंगे कि महायुति और महाविकास आघाड़ी में किसका पलड़ा भारी साबित होगा।

राज्य में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के महायुति गठबंधन ने कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के एमवीए अलायंस को जबरदस्त शिकस्त दी। यही नहीं, 288 सीटों वाली विधानसभा में महायुति तीन चौथाई बहुमत से भी आगे निकलने में सफल रहा। उसका वोट शेयर भी एमवीए से दहाई अंकों में अधिक है। इस चुनाव से पहले हुए किसी भी अलायंस को राज्य में ऐसी धमाकेदार जीत नहीं मिली थी। बीजेपी ने अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे पहले 2014 में उसने सबसे अधिक 122 सीटें जीती थीं। दूसरी ओर, कांग्रेस के लिए यह महाराष्ट्र

में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा।

2014 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को जबरदस्त जीत मिली थी। उसके बाद पार्टी ने जाहिर कर दिया था कि वह राज्य में शिवसेना के पीछे चलने के मूड में नहीं है। इससे बीजेपी और शिवसेना के अलायंस में दरार आई। 2014 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने अकेले मैदान में उतरने का फैसला किया और 122 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। लेकिन तब वह बहुमत से चूक गई थी। खैर, उसने तब गठबंधन सरकार बनाई और 2019 विधानसभा चुनाव फिर से शिवसेना के साथ मिलकर लड़ा। मुख्यमंत्री पद किस पार्टी को मिलेगा, तब इसे लेकर दोनों के बीच तकरार हुई और शिवसेना उसके बाद कांग्रेस-एनसीपी के पाले में चली गई। फिर शिवसेना और एनसीपी के टूटने से राज्य की सियासत कई धड़ों में बंट गई। इससे राज्य के सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों में बदलाव आया। खैर, इन नतीजों ने यह संकेत दे दिया है कि आगे महाराष्ट्र की राजनीतिक दिशा क्या होगी।

यहां सवाल यह है कि महायुति को इतनी बड़ी जीत कैसे मिली? पहली नजर में देखने पर यह कहा जा सकता है कि महायुति के पीछे महिला वोटरों के गोलबंद होने का यह नतीजा है। लाडकी बहिण योजना को इसका क्रेडिट दिया भी जा रहा है। लेकिन किसी एक मुद्दे की वजह से ऐसे एकतरफा नतीजे नहीं आया करते। ऐसा लगता है कि महायुति सरकार ने चुनाव से पहले सभी सही कदम उठाए।

दूसरी ओर, एनवीए के लिए जो भी गलत हो सकता था, वह हुआ। एमवीए के सहयोगी दलों को सीट बंटवारे में मुश्किल हुई। जीतने पर कौन मुख्यमंत्री बनेगा, इसे लेकर भी उनके बीच खटपट थी। टिकट बंटवारे में गलती के आरोप भी लगे। कार्यकर्ताओं के बीच जमीनी स्तर पर सहयोग न होने जैसी बातें भी सामने आईं। यह भी कहा गया कि मनी पावर में महायुति एमवीए से मुकाबला नहीं कर पाया।

बहरहाल, महायुति की एकतरफा जीत का दावा किया था, जो सही निकला। उसने कहा था कि महिला वोटरों के बीच महायुति काफी लोकप्रिय है। लेकिन यह भी मानना होगा कि इस अलायंस को कई सामाजिक-आर्थिक वर्गों से जबरदस्त समर्थन मिला।

सूडोकु नवताल-5410

सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल-5409 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

अपना ब्लॉग

विरासत का सवाल

मोहन। यह देखना अभी बाकी है कि दोनों में से कौन सी शिवसेना बाला साहेब ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ाती है क्योंकि ठाकरे परिवार का रुतबा इन नतीजों के बाद घटा है। राज ठाकरे की एमएनएस तो पहले से हाशिये पर है, उद्धव धड़े का स्ट्राइक रेट पिछले लोकसभा चुनावों में भी खराब रहा था। अगर उद्धव की पार्टी का प्रदर्शन बीएमसी चुनावों में भी खराब रहता है तो जो प्रत्याशी जीते हैं, उन्हें भी साथ बनाए रखना मुश्किल हो जाएगा। इन नतीजों का शरद पवार के परिवार के लिए क्या संकेत है? अजित पवार धड़े के अच्छे प्रदर्शन के बाद इसे लेकर कई संभावनाएं बन गई हैं। देखना होगा कि क्या परिवार के दोनों धड़ों के बीच कोई समझौता होता है? 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में निर्दलीयों और छोटी पार्टियों को 25 प्रतिशत वोट और 29 सीटें मिली थीं। इन चुनावों में उनका वोट शेयर और सीटों की संख्या तब से आधी रह गई है। इसलिए मुमकिन है कि ये पार्टियां और ऐसे नेता अब दोनों में से किसी अलायंस का दामन थाम लें।

आमिर की फना पर दद्दा त्यागी ने लगाया चोरी का आरोप

मिर्जापुर के दद्दा त्यागी बॉलीवुड में लिलिपुट के नाम से मशहूर हैं, जिनका असली नाम एमएम फारुकी है। उन्होंने हाल ही में एक किस्सा सुनाया और बताया कि कितनी मेहनत से एक स्क्रिप्ट तैयार की थी और जब फिल्म बनाने की बारी आई तो पता लगा आमिर खान की फिल्म फना की कहानी वही है। लिलिपुट ने ये किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि साल 1988 में उन्होंने एक फिल्म की कहानी लिखी थी। इस फिल्म का टाइटल उन्होंने शहादत सोचा था। एक्टर ने बताया कि इस फिल्म को बनाने की तैयारी शुरू ही हुई थी कि उन्हें तभी पता लगा कि आमिर खान की फना आई है और उसकी स्टोरी उनकी स्क्रिप्ट से काफी मिलती–जुलती थी। लिलिपुट ने ये किस्सा सुनाते हुए कहा, मैंने फना की कहानी शहादत के नाम से लिखी थी। लिलिपुट से पूछा गया कि क्या उन्हें इस बात का अफसोस है कि वो अपनी लिखी हुई कहानी शहादत पर फिल्म नहीं बना पाए थे? इसपर उन्होंने कहा, श्वो कहानी मैंने साल 1988 में सोची थी, पहली बार मैंने वन लाइन सोचा था जो मैंने शरद जी को सुनाया था। तब मुझे डायरेक्टर बनने का शौक था। मैं रूस गया था, फिल्म शिकारी की शूटिंग के लिए। वहां मुझे 15 दिन का समय मिला और उस वक्त मैंने शहादत की स्क्रीन प्ले लिख डाली थी। उन्होंने इस कहानी के लिए जी–जान लगा दी थी।

ये बेतुका है, उनसे राय किसने मांगी? सना खान को यूजर्स ने जमकर लताड़ा

सना खान एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए वो अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। उन्होंने हाल ही में अपने नए व्लॉग में प्रेग्नेंसी, बच्चे की डिलीवरी, पोस्टपार्टम डिप्रेशन और मेंटल हेल्थ के बारे में बात की, लेकिन वो निशाने पर आ गई हैं। सना खान ने अपने व्लॉग में कहा, अगर नई मांएं पोस्टपार्टम डिप्रेशन से जूझ रही हैं तो इसके बारे में ज्यादा ना सोचें। इसे जाने दें, क्योंकि आखिरी में ये आपकी मेंटल हेल्थ को प्रभावित करता है। ये मुश्किल है। लाइफ स्टाइल बदल जाती है। अचानक आपके बगल में एक नया व्यक्ति होता है, जो रोता हुआ उठता है। आपकी नींद का साइकल बदल जाता है... मैंने भी ऐसी ही कई चीजें देखीं हैं। सना ने आगे कहा, श्मुझे याद है कि बच्चे को दूध पिलाते समय मुझे थकान महसूस होती थी और नींद आ जाती थी। ये बहुत नॉर्मल बात है। घर में 100 लोग होने पर भी व्यक्ति अकेलापन महसूस कर सकता है। मैं भी इससे गुजर चुकी हूं।

प्रभास को लगी चोट, फौजी के सेट पर हुए घायल

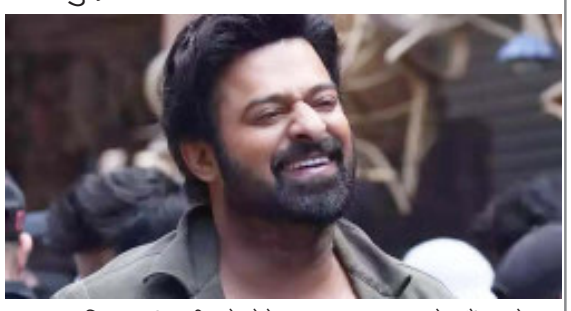

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के रेबेल स्टार प्रभास के फैंस के लिए एक बुरी खबर है। अपनी अपकमिंग मूवी की शूटिंग करते वक्त वो चोटिल हो गए। इस वजह से वो जापान में श्कल्कि 2898 एडीश के प्रमोशन में नहीं पहुंच पाएंगे। प्रभास इन दिनों हनु राघवपुडी की फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। इस दौरान उनके टखने में चोट लग गई। हालांकि, उनकी चोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रभास ने जापान में अपने फैंस से माफी मांगी है, क्योंकि वे वहां पर कल्कि 2898 एडी के प्रमोशन में शामिल नहीं हो पाए थे। ये डायस्टोपियन साइंस–फिक्शन एक्शन मूवी 3 जनवरी 2025 को जापान में रिलीज होगी। साउथ एक्टर ने मैसेज में लिखा था, मुझ पर और मेरे काम पर हमेशा इतना प्यार बरसाने के लिए आपका धन्यवाद। मैं लंबे समय से जापान जाने का इंतजार कर रहा था। हालांकि, मुझे ये कहते हुए बहुत दुख हो रहा है कि शूटिंग के दौरान मेरे टखने में मोच आ गई और मैं वहां नहीं जा सका। एक्टर ने कहा, कल्कि 2898 एडी 3 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार है। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही आपसें मिलेंगे। प्रभास की अगली फिल्म की बात करें तो हनु राघवपुडी की मूवी का नाम फौजी बताया जा रहा है। इसमें इमान इस्माइल उर्फ इमानवी भी हैं। ये फिल्म सुभाष चंद्र बोस के समय पर आधारित एक ऐतिहासिक ड्रामा है। ये 1940 के दशक में हुए रजाकार मूवमेंट पर है।

कपिल शर्मा ने एटली के रंग वाले बयान पर तोड़ी चुप्पी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कपिल शर्मा का मजाकिया अंदाज उन पर भारी पड़ता हुआ दिख रहा है। कॉमेडियन पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने अपने द ग्रेट इंडियन कपिल शोश के हालिया एपिसोड में फिल्ममेकर एटली के रंग और रूप का मजाक बनाया। इसको लेकर सोशल मीडिया पर खूब हाय–तौबा मची हुई है। जबकि एटली के साउथ सिनेमा के फैंस कपिल को जमकर कोस भी रहे हैं। अब तीन दिन बाद कॉमेडियन और एक्ट्टर इस विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वो नफरत ना फैलाएं और भेड़चाल का हिस्सा ना बनें।

एटली ने बॉस की तरह दिया जवाब

कपिल शर्मा ने ट्विटर पर वायरल हो रहे एपिसोड के क्लिप पर रिप्लाई किया है। कपिल शर्मा ने एटली की शक्ल–सूरत का अपमान किया? लेकिन एटली ने बॉस की तरह जवाब दिया। शक्ल से मत आंको, दिल से आंको। इस ट्वीट में वही क्लिप है, जिसमें कपिल एटली से पूछते हैं, आप इतने यंग हैं और इतने बड़े प्रोड्यूसर, डायरेक्टर बन चुके हैं। कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आप किसी से मिलने गए हों और उन्होंने पूछा हो एटली कहां हैं?

कपिल शर्मा ने जवाब में किया ये ट्वीट

कपिल ने इस पर जवाब देते हुए लिखा है, प्रिय महोदय, क्या आप कृपया मुझे ये समझा सकते हैं कि मैंने इस वीडियो में कब और कहां उनके लुक्स के बारे में बात की थी? कृपया सोशल मीडिया पर नफरत न फैलाएं धन्यवाद। कपिल ने अपने ट्वीट में आगे लिखा है, दोस्तों खुद देखें और फैसला करें, भेड़ की तरह किसी के ट्वीट को फॉलो न करें।

लोग फिर से कर रहे कपिल की आलोचना

कपिल के इस पोस्ट पर दोनों तरह के रिएक्शन आ रहे हैं। कुछ यूजर्स ने जहां कपिल को सपोर्ट किया है, वहीं कुछ ने फिर से उनकी आलोचना की है। एक यूजर ने लिखा है, इसके दो ही मतलब हैं, एक कि वो एक कम समय में थोड़े कम स्टैबलिश डायरेक्टर हैं और दूसरा ये कि आप उनके रंग के बारे में बात कर रहे हैं। इसके अलावा भी कोई मतलब है क्या?

फैंस ने किया कपिल शर्मा को सपोर्ट

एक अन्य यूजर ने लिखा है, रहने दो अब गलत बोल गए हो, नहीं बोलना था। एक तीसरे यूजर ने लिखा है, कपिल सर उनके लुक्स की नहीं, बल्कि उम्र की बात कर रहे हैं। चौथे यूजर ने लिखा है, आपका सवाल ही रेसिस्ट था। एक अन्य ने कॉमेडियन को सपोर्ट करते हुए लिखा है, कपिल जी, कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है एंगेजमेंट फार्मिंग करना।

एटली ने कपिल के सवाल का दिया था शानदार जवाब

बहरहाल, बता दें कि कपिल शर्मा ने शो में एटली से जो सवाल किया था, उस पर जवान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर ने जवाब दिया, कुछ हद तक मैं आपका सवाल समझ चुका हूं। मैं मुरुगदौस सर का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मेरी पहली फिल्म प्रोड्यूस की थी। उन्होंने मेरे लुक पर ध्यान नहीं दिया था। उन्होंने बस मेरे नैरेशन पर फोकस किया। मुझे लगता है कि किसी को उसके लुक्स से नहीं, बल्कि दिल देखकर जज करना चाहिए।

वरुण के साथ श्बेबी जहनश लेकर आ रहे एटली

जवान से बतौर डायरेक्टर बॉलीवुड डेब्यू करने वाले एटली साउथ के सुपरस्टार फिल्मेकर हैं। वह अब बतौर प्रोड्यूसर वरुण धवन के साथ बेबी जॉन लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में पैन इंडिया रिलीज होगी। फिल्म में वरुण के साथ कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी हैं। इसके अलावा फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी खूब चर्चा में है। बीते दिनों रिलीज ट्रेलर के आखिर में भी सलमान की झलक दिखी थी, जिसके बाद ही फैंस फूले नहीं समा रहे हैं।

बली का बकरा बनाया गया है, राज कुंद्रा का ओपन चैलेंज

राज कुंद्रा ने पोर्नोग्राफी केस में अपनी चुप्पी तोड़ी, खुद को बली का बकरा बताया। उन्होंने कहा कि वे पोर्नोग्राफी की मेकिंग या डिस्ट्रिब्यूशन में शामिल नहीं हैं और वह केवल एक टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर थे। उन्होंने मीडिया से अपनी पत्नी शिल्पा शेट्टी को मामले में न घसीटने की अपील की।

एक्ट्रे शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को हाल ही में ईडी ने पोर्नोग्राफी केस में जांच के लिए समन भेजा था। इतना ही नहीं, पोर्नोग्राफी कंटेंट के बनाने और उसे बांटने से संबंधी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज कुंद्रा से जुड़ी कई जगहों पर छापेमारी भी की थी। 2012 में उन्हें पोर्नोग्राफी कंटेंट बनाने और उसके बांटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि राज कुंद्रा ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है और कहा कि उन्हें इस मामले में श्बली का बकराश बनाया गया है। राज कुंद्रा ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा, आज तक मैं किसी भी पोर्नोग्राफी, किसी प्रोडक्शन और पॉर्न से जुड़ी किसी चीज का हिस्सा नहीं रहा। जब ये आरोप सामने आए तो बहुत ही दर्दनाक था। जमानत भी इसीलिए हुई क्योंकि कोई फैक्ट और सबूत नहीं था।

राज कुंद्रा ने पोर्नोग्राफी केस पर किया रिएक्ट

राज कुंद्रा ने बताया कि उस ऐप पर वह अपने जीजा की कंपनी केनरिन को भी सर्विस दी हैं। इसमें उन्होंने यूके के चलने वाला एक ऐप भी लॉन्च किया था। यह एप्लीकेशन दर्शकों के लिए बनाया गया था। ये ए–रेटेड फिल्में थीं, लेकिन बिलकुल भी पोर्नोग्राफी नहीं थीं। राज कुंद्रा ने अपनी भागीदारी के सवाल पर कहा कि वह सिर्फ एक टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर थे। किसी एक लड़की को सामने आने दीजिए जो ये कहे कि वह राज कुंदा से मिली है या उसने उनकी किसी फिल्म में काम किया है या राज कुंद्रा ऐसी कोई फिल्म प्रोड्यूस करते हैं। मीडिया का कहना है कि राज कुंद्रा सभी 13 ऐप्स के सरगना हैं, मैं केवल सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी में शामिल हूं और उस ऐप पर कुछ भी गलत नहीं हुआ है।

शिल्पा शेट्टी को केस में न घसीटने की अपील

राज कुंद्रा ने शिल्पा शेट्टी के बारे में भी बात की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनकी पत्नी को न घसीटा जाए। एक्ट्रेस ने अपनी मेहनत से पहचान बनाई है। मीडिया जानबूझकर एक्ट्रेस का नाम शामिल करता है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है।

खोखले शरीर में फूंक देगा जान, प्रोटीन कैल्शियम का खजाना

मसल्स, हड्डियां और खून की कमी आदि कमजोरी कई तरह की हो सकती है। इसे दूर करने के लिए हेजलनट का सेवन करें। यह बादाम-काजू की तरह ही ताकतवर होता है, जो अंदर जाकर शरीर को मजबूत बनाता है। क्या आप हेजलनट खाने के फायदे जानते हैं।

शरीर का मांस बढ़ेगा
हेजलनट खाने से मसल्स की कमजोरी दूर की जा सकती है। यह बाहरी मसल्स को बढ़ाने में भी मदद करेगा। यूएसडीए के अनुसार 100 ग्राम हेजलनट खाने से करीब 14 ग्राम प्रोटीन मिलता है। यह मसल्स के साथ स्किन और बालों को मजबूत बनाने के भी काम आएगा।

ताकत बढ़ाने वाला ड्राई फ्रूट कौन सा है?
हम हेजलनट की बात कर रहे हैं, जिसे फिलबर्ट भी कहते हैं। यह शरीर की कमजोरी को पूरी तरह खत्म कर सकता है। क्योंकि इसमें मसल्स, हड्डियों और खून के लिए आवश्यक पौष्टिक तत्व होते हैं। यह दिल और दिमाग को मजबूती देता है। कुछ दिन काजू और बादाम को छोड़कर इसको डाइट में शामिल करें। क्योंकि डाइट में विविधता होना बहुत जरूरी है। हालांकि जिन लोगों को ड्राई फ्रूट से एलर्जी है, उन्हें इसका सेवन करने से बचना चाहिए। बाकी लोगों के लिए यह हेल्दी और पावरफुल नट है।

हड्डियां बनेंगी फौलाद
इसके अंदर हड्डियों को मजबूत बनाने की ताकत है। यह कैल्शियम का भंडार है जो कि बोन हेल्थ के लिए काफी महत्वपूर्ण है। आपको हेजलनट से कॉपर, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, जिंक भी मिल जाता है। कैल्शियम के साथ इन चीजों का मेल हड्डियों की सेहत के लिए अच्छा है।

नहीं होगी खून की कमी
किसी भी अंग को मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त खून होना चाहिए। क्योंकि यही पोषण को उन तक पहुंचाता है। हेजलनट में आयरन का भंडार है, जो हीमोग्लोबिन व खून के लिए जरूरी है। इस सूखे मेवा का सेवन शरीर को कई सारे फायदे देता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कम
हेजलनट के अंदर एंटीऑक्सीडेंट की भरमार है। यह एक तरफ दिल को मजबूत बनाते हैं और दूसरी तरफ एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने का काम करते हैं। यह इंफ्लामेशन को दूर करके आर्टरी की हेल्थ को भी सही रखता है।

कैंसर से बचाव
इसके एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल की वजह से हेजलनट को कैंसर से बचाने वाला भी माना जाता है। इसका विटामिन ई सेल्स को डैमेज होने से बचाता है, जो कि कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है।

सेब खाने से भयंकर हो सकती हैं बीमारी, पेट पर करता है सीधा अटैक

बचपन से बताया गया है कि रोजाना एक सेब खाने से डॉक्टर दूर रहता है। लेकिन सेब को खाना कुछ लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। यह 2 बीमारियों को गंभीर बना सकता है, जिसका सीधा प्रभाव पेट पर पड़ता है। दोनों बीमारियां पेट से जुड़ी हुई हैं। सेब के अंदर फ्रक्टोज होता है, जो आईबीएस और फ्रक्टोज इनटॉलरेंस बीमारी में अच्छा नहीं माना जाता है। इन दोनों स्थितियों में फ्रक्टोज वाले फूड्स को खाने से मना किया जाता है। वरना मरीज को कई सारी पेट से जुड़ी समस्याएं झेलनी पड़ सकती हैं। सेब जैसे हाई फ्रक्टोज फूड्स को आईबीएस में खाने से तकलीफ बढ़ सकती है। इस समस्या में बॉवल मूवमेंट में बदलाव आ जाता है। साथ ही सेब के अंदर थ्वक्ड।ै होता है, जो एक तरह का फाइबर है। यह भी आईबीएस को गंभीर बनाता है। फ्रक्टोज इनटॉलरेंस एक डायजेस्टिव डिसऑर्डर है। इसमें शरीर फ्रक्टोज को ढंग से पचा नहीं पाता है। फ्रक्टोज आमतौर पर फलों के अंदर नेचुरल होता है। यह स्थिति बड़ों से बच्चों को जन्मजात भी मिल सकती है। अक्सर लोग सेब को सीधा खाना पसंद करते हैं। मगर इस तरह उसके बीच का काफी गुदा बिना खाए रह जाता है और फेंक दिया जाता है। इस तरह सेब के अंदर मौजूद प्रमुख गुण बेकार चले जाते हैं। जो कि इसके बीच में होते हैं। सेब को काटकर केवल उसके बीज निकालकर खाने की आदत डालें। इसे बीच से ज्यादा न काटे।

पेट को मटका बनने से रोकेंगे ये काम, जिम की नहीं जरूरत

वजन का बढ़ना डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। एनर्जी-स्टेमिना की कमी, बाल झड़ना, फैटी लिवर आदि का खतरा भी मंडराने लगता है। अगर आप ठंड में वजन को कंट्रोल करना चाहते हैं तो 5 उपाय लगातार करते रहें। यह उपाय शरीर की कैलोरी बर्निंग तेज करते हैं और इनटेक कम करते हैं। इस वजह से शरीर पहले से मौजूद चर्बी को जलाने लगता है और वजन कम रहता है। अगर इन्हें नियमित और अनुशासन के साथ किया जाए तो वजन कंट्रोल करने की जगह कम भी होने लगेगा। सर्दी के कारण मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और कैलोरी बर्निंग भी कम हो जाती है। इसे सही करने के लिए सुबह खाली पेट मेथी दाना का पानी बनाकर पीएं। रातभर 1 चम्मच मेथी दाना को भिगोकर रखें और सुबह इसका पानी उबालकर गुनगुना पी लें। यह मेटाबॉलिज्म तेज करने का बेहतरीन उपाय है। खाने में फाइबर वाले फूड्स को शामिल करें।

ठंडी में दही खानी चाहिए? 99 प्रतिशत लोग कर रहे बड़ी गलती

दही स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हेल्दी भी है। दही का नियमित सेवन शरीर को मजबूत और बीमारियों से लड़ने में सहायक बनाता है। दही में कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस और विटामिन बी12 सहित सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। दही के सेवन से पाचन समस्याएं, हड्डियों की कमजोरी, हाई बीपी, दिल के रोग, त्वचा रोग, इम्यूनिटी की कमी और मोटापा जैसी समस्याओं में आराम मिलता है। अधिकतर लोग दही की तासीर को ठंडी मानती हैं और इस वजह से सर्दियों में इसका ज्यादा सेवन नहीं करते। अगर आप भी इस सवाल का जवाब चाहते हैं कि क्या सर्दियों में दही खा सकते हैं? तो भारत के मशहूर डायटीशियन भावेश गुप्ता आपको बता रहे हैं कि क्या ठंड में दही खाना चाहिए या नहीं? भावेश ने बताया कि आयुर्वेदिक की जितनी भी सहिंता में दही की तासीर को उष्ण बताया गया है जिसका मतलब है कि दही की तासीर गर्म होती है और सर्दियों में खाने से ज्यादा लाभ मिल सकते हैं। भावेश ने बताया कि दही एक प्रोबायोटिक्स फूड है जिससे आपको हेल्दी बैक्टीरिया मिल सकते हैं और इसके अलावा यह कैल्शियम और विटामिन बी12 का अच्छा स्रोत है, जो शरीर की मसल्स और बोन को ताकतवर बनाने के लिए जरूरी है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं और कब्ज, गैस जैसी समस्याओं को कम करते हैं। दही में मौजूद गुड बैक्टीरिया इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और संक्रमण से बचाते हैं।

मेनोपॉज के दौरान महिलाओं में डायबिटीज का बढ़ जाता है रिस्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

महिलाओं का शरीर हर उम्र में बदलता रहता है। ऐसा हार्मोनल बदलाव के कारण होता है। लेकिन 40 की उम्र के बाद हार्मोनल बदलाव के कारण महिलाएं कई रोगों का शिकार भी हो सकती हैं। मेनोपॉज के बाद महिलाओं को डायबिटीज होने का रिस्क बढ़ जाता है। मेनोपॉज का डायबिटीज से क्या संबंध है इसके बारे में बता रही हैं मुंबई के ग्लेनीगल्स हॉस्पिटल की फिजिशियन और डायबेटोलॉजिस्ट डॉ आरती उल्लाल।

मेनोपहज का डायबिटीज से क्या संबंध है?
मेनोपॉज का डायबिटीज से सीधा कोई संबंध नहीं यानी मेनोपॉज के कारण डायबिटीज रोग नहीं होता। लेकिन मेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में जो बदलाव आते हैं उनकी वजह से उन्हें डायबिटीज होने की संभावना बढ़ जाती है। मेनोपॉज के दौरान जब शरीर में एस्ट्रोजन का लेवल कम होने लगता है तो टेस्टोस्टेरोन का स्तर बढ़ जाता है। इसके कारण शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ जाता है, मोटापा बढ़ने लगता है, जिससे डायबिटीज होने की संभावना बढ़ जाती है।

अर्ली मेनोपॉज से क्या डायबिटीज का खतरा बढ़ता है?
महिलाओं को 50 की उम्र के आसपास मेनोपॉज होता है। लेकिन जिन महिलाओं का मेनोपॉज 40 की उम्र से पहले हो जाता है उसे अर्ली मेनोपॉज कहते हैं। जिन महिलाओं का मेनोपॉज जल्दी हो जाता है उन्हें उम्र से पहले ऑस्टियोपोरोसिस होने का रिस्क रहता है। ऐसी महिलाओं को हार्ट अटैक, दिल की बीमारियां और

डायबिटीज होने की भी संभावना रहती है। जिन महिलाओं का मेनोपॉज जल्दी होता है उन्हें अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

पेरीमेनोपॉज फेज में शुरू होते हैं बदलाव
महिलाओं का मेनोपॉज शुरू होने से पहले यानी पेरीमेनोपॉज फेज में महिलाओं के शरीर में कुछ बदलाव शुरू हो जाते हैं। मोटापा, ट्राइग्लिसराइड्स, कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने लगता है। इन बदलावों के कारण डायबिटीज होने की आशंका बढ़ जाती है। पेरीमेनोपॉज फेज में लाइफस्टाइल, डाइट और फिटनेस का ध्यान रखकर महिलाएं डायबिटीज और अन्य बीमारियों से बच सकती हैं। 40 के बाद महिलाओं को अपनी डाइट में सुपरफूड को शामिल कर लेना चाहिए। कोलेस्ट्रॉल, ऑस्टियोपोरोसिस, डायबिटीज से बचने के लिए रागी खाएं।

मेनोपॉज से पहले शुरू करें ये काम
40 के बाद महिलाओं को अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए। मेनोपॉज का प्रोसेस 5-6 साल पहले शुरू हो जाता है। ऐसे में मेनोपॉज का इंतजार न करें। उससे पहले ही फिटनेस, डाइट और लाइफस्टाइल इन 3 चीजों का ध्यान रखें। साथ ही साल में एक बार अपना शुगर लेवल जरूर चेक करें। जो महिलाएं एक्टिव रहती हैं, फिटनेस पर ध्यान देती हैं, हेल्दी डाइट लेती हैं, अपने शौक के लिए समय निकलती हैं, खुश रहती हैं, उन पर मेनोपॉज पर असर कम होता है।

मेनोपॉज में डायबिटीज से बचने के लिए क्या करें?
पेरीमेनोपॉज के दौरान ही महिलाओं को अपने शरीर का ध्यान रखना शुरू कर देना चाहिए। इसके लिए रोजाना 45 मिनट फिजिकल फिटनेस के लिए निकालें। एक्सरसाइज, योग, मेडिटेशन, मॉर्निंग वॉक करें। जंक फूड से दूर रहें, हेल्दी डाइट लें। अपने शौक के लिए समय निकालें। अच्छी नींद लें, तनाव से बचने की कोशिश करें। इससे आपको खुशी मिलेगी और तनाव कम होगा।

आईपीएल खेलते हुए नजर आएंगे

287 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले अश्विन अब इंटरनेशनल क्रिकेट मैच में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि, वह आईपीएल में अभी खेलना जारी रखेंगे। सीएसके ने अश्विन को आईपीएल 2025 के लिए 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा। 7 साल बाद अश्विन की सीएसके में वापसी हुई है। उन्होंने आईपीएल में 2009 में सीएसके की तरफ से खेलते हुए डेब्यू किया था। अश्विन ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स , आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेला है।

आर अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने रिटायरमेंट का एलान कर दिया है। 38 साल की उम्र में अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा की है। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के बीच में उन्होंने अपने संन्यास का एलान कर क्रिकेट जगत को हैरान किया। अश्विन को एडिलेड टेस्ट मैच में खेलने का मौका मिला था, जिसमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। आगे उन्हें मौका मिलता या नहीं इसकी उम्मीद तो कम थी, क्योंकि ब्रिस्बेन में रवींद्र जडेजा ने अच्छा प्रदर्शन किया। अश्विन के रिटायरमेंट की भनक तो उस समय मिल गई थी जब ड्रेसिंग रूम में वह इमोशनल नजर आए थे और विराट कोहली ने उन्हें गले लगाया था। लेकिन गाबा टेस्ट मैच ड्रॉ होने के बाद अश्विन ने इसका आधिकारिक एलान प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। खुद अश्विन मैच के बाद रोहित शर्मा के बगल में बैठकर जल्दी–जल्दी से उन्होंने अपना संन्यास का एलान किया। दरअसल गाबा टेस्ट मैच ड्रॉ होने के बाद आर अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर आज मेरा आखिरी दिन था। मैं अब गेम से नहीं जुड़ा रहूंगा, लेकिन किसी ना किसी तरह खेल से जरूर जुड़ा रहूंगा।

गाबा टेस्ट हुआ ड्रॉ, 1–1 की बराबरी पर है सीरीज

क्रिकेट

भारत की डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की उम्मीदें अभी जिंदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट ड्रॉ हो गया है। गाबा में खेला गया यह मैच बारिश के कारण प्रभावित रहा। आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 275 रन बनाने थे। हालांकि, चाय काल के बाद बारिश आ गई। ऐसे में दिन का खेल समाप्त हो गया और मैच का नतीजा ड्रॉ रहा। 3 मैचों के बाद अब सीरीज 1–1 की बराबरी पर है।

मुकाबले की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया टीम ने पहली पारी में सभी विकेट खोकर 445 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने पहली पारी में 260 रन बनाए। कंगारू टीम ने दूसरी पारी 89ध्7 पर घोषित कर दी। ऐसे में भारत को जीत के लिए आखिरी दिन 275 रन बनाने थे। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया को यह मैच जीतने के

लिए 10 विकेट की दरकार थी। हालांकि, मैच में बारिश की आशंका पहले ही जताई गई थी। हुआ भी ऐसा ही और भारत चाय काल के बाद मैच नहीं हो सका और अंत में इसे ड्रॉ करने का फैसला लिया गया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहली पारी में ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने शतक लगाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए करीब 240 रन की साझेदारी हुई। स्टीव स्मिथ ने 190 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। वहीं हेड ने 160 गेंदों पर 152 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 18 चौके लगाए। विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने भी 70 रन की अहम पारी खेली। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 6 शिकार किए। उनके अलावा मोहम्मद सिराज ने 2 और आकाशदीप–नीतीश रेड्डी ने 1–1 विकेट लिया।

भारतीय टीम पहली पारी में 260 रन पर ढेर हो गई। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप ऑर्डर में सिर्फ केएल राहुल का बल्ला चला। राहुल ने 139 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल ने 4, शुभमन गिल ने 1, विराट कोहली ने 3, पंत ने 9 और रोहित शर्मा ने 10 रन बनाए। लोअर ऑर्डर में रवींद्र जडेजा ने 77 रन की पारी खेली। लोअर आर्डर में जसप्रीत बुमराह के नाबाद 10 रन और आकशदीप के 31 रन की बदौलत फॉलोऑन का खतरा टल गया।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी 89–7 पर घोषित कर दी। इस दौरान बुमराह ने 3, सिराज ने 2 और आकाशदीप ने 2 विकेट लिए। जवाब में बारिश से पहले भारत ने बिना कोई विकेट खोए 8 रन बना लिए थे।

रोते रविचंद्रन अश्विन को संभालते दिखे थे विराट कोहली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- अपने साथी रविचंद्रन अश्विन के लिए भावुक मेसेज लिखा

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट बारिश की वजह से रुका हुआ था और इस दौरान टीवी स्क्रीन पर एक नजारा दिखा। क्रिकेट में सबसे ज्ञान खिलाड़ियों में से एक रविचंद्रन अश्विन की आंखों में आंसू थे। उनके बगल में विराट कोहली बैठे हुए थे। अक्सर मौजी अंदाज में रहने वाले कोहली से बात करते हुए वक्त अश्विन आंखों को पोंछ रहे थे। वह रो रहे थे। विराट कोहली उन्हें कभी ढांढस बंधाते तो कभी गले लगाते। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर भूचाल सा आ गया। उनके रिटायरमेंट की सुगबुगाहट सोशल मीडिया पर तैरने लगी। यह भावुक वीडियो देखकर अंदाजा तो था, लेकिन इस बात का हर किसी को विश्वास था कि अश्विन यह फैसला इतना जल्दी नहीं करेंगे।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बचे दो मैच खेलने हैं, जबकि अगर भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले के लिए क्वालीफाई करती है तो वहां भी अनुभवी स्पिनर की जरूरत थी। खैर, ड्रेसिंग रूम में दोस्त को संभालने के बाद विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर एक मेसेज लिखते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने अश्विन को लेकर लिखा– मैंने आपके साथ 14 साल तक खेला है और जब आपने आज मुझे बताया कि आप रिटायर हो रहे हैं तो मैं थोड़ा भावुक हो गया। ऐसा लग रहा है कि जब अश्विन रो रहे थे तो उन्होंने कोहली को अपने रिटायरमेंट के बारे में जानकारी दी थी।

कोहली ने आगे लिखा– साथ में खेले गए उन सभी सालों की यादें मेरे सामने आ गईं। मैंने आपके साथ सफर के हर पल का आनंद लिया है। आपका कौशल और भारतीय क्रिकेट में मैच जीतने का योगदान बेमिसाल है और आपको हमेशा भारतीय क्रिकेट के दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा। आपके जीवन में आपके परिवार और आपके लिए जो कुछ भी सामने आता है, उसके लिए शुभकामनाएं। आपको और आपके करीबी लोगों को बहुत सम्मान और ढेर सारा प्यार। साथ ही भारत का तिरंगा टैग किया। अश्विन जबरदस्त क्रिकेटर हैं, बल्कि उसके नियम–कानून में भी गहरा दखल रखते हैं।

एक सुनहरा अध्याय हो गया खत्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रिस्बेन। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। अश्विन ने ब्रिस्बेन में तीसरे बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के अंत में अपने फैसले का खुलासा किया, जो बारिश के कारण ड्रॉ रहा। अश्विन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रारूपों में एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में यह मेरा आखिरी दिन होगा। मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के रूप में मुझमें अभी भी कुछ दमखम बाकी है, लेकिन मैं क्लब स्तर के क्रिकेट में इसे उजागर करना और शायद दिखाना चाहूंगा, लेकिन भारत के लिए यह आखिरी दिन होगा। मैंने बहुत मजा किया। उन्होंने कहा, मुझे कहना होगा कि मैंने रोहित और मेरे कई अन्य साथियों के साथ बहुत सारी यादें बनाई हैं, भले ही मैंने पिछले कुछ वर्षों में उनमें से कुछ को खो दिया हो। हम ड्रेसिंग रूम से बाहर रह गए आखिरी ओजी हैं।

न्यूज डायरी

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए ये 3 खिलाड़ी भी ले सकते हैं संन्यास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम एक ट्रांजिशन फेस में चल रही है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट ड्रॉ होने के बाद रविचंद्रन अश्विन ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से अचानक रिटायरमेंट लेकर सबको हैरान कर दिया। अब हम आपको बताने जा रहे हैं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए उन 3 खिलाड़ियों के बारे में जो कभी भी संन्यास का ऐलान कर सकते हैं। भारत के वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी कभी भी रिटायरमेंट का ऐलान कर सकते हैं। 37 साल के रोहित टेस्ट में काफी ज्यादा खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। वह लगातार बड़ी पारी खेलने में फ्लॉप हो रहे हैं। रोहित ने भी टी20 से संन्यास ले रखा है। 36 साल के विराट कोहली भी इंटरनेशनल क्रिकेट से जल्दी संन्यास ले सकते हैं, जिस चीज के लिए कोहली जाने जाते थे। अब वह उसी में फेल हो रहे हैं... यह चीज है निरंतरता। विराट निरंतरता से रन नहीं बना पा रहे हैं। वह बीच–बीच में बड़ी पारी खेलते हैं। वरना अक्सर छोटे स्कोर बनाकर आउट हो जाते हैं। कोहली भी अश्विन को देखकर शायद संन्यास का मन बना सकते हैं। 36 साल के भारत के अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा भी उन खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हैं, जो शायद रिटायरमेंट ले सकते हैं। हालांकि ब्रिस्बेन टेस्ट में जड्डू ने 77 रन की अहम पारी खेली। बता दें कि जडेजा ने भी टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया है। ये तीनों खिलाड़ी अब आने वाली पीढ़ी को मौका देने के लिए यह कदम उठा सकते हैं।

गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के बाद प्वाइंट्स टेबल में हुआ कितना बदलाव?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। ब्रिस्बेन के गाबा में खेले गए इस मुकाबले के आखिरी दिन बारिश विलेन बनी। ऐसे में मैच को ड्रॉ करने का फैसला लिया गया। इस मैच के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। ऑस्ट्रेलिया टीम अभी भी दूसरे और भारतीय टीम तीसरे पायदान पर है। हालांकि, टीम इंडिया अभी भी डब्ल्यूटीसी फाइनल खेल सकती है। गाबा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऐसे में दोनों ही टीमों को 4–4 अंक मिले। इसके बाद भारत का पीसीटी 57.29 से घटकर 55.88 पर आ गया है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया का पीसीटी भी 60.71 से घटकर 58.88 हो गया। मौजूदा साइकिल में भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 2–2 ड्रॉ मुकाबले खेले हैं। दक्षिण अफ्रीका 63.33 प्रतिशत के साथ टॉप पर है। मौजूदा साइकिल में साउथ अफ्रीका ने 10 में से 6 मैच जीते हैं। 3 में टीम को हार मिली है और 1 मैच ड्रॉ रहा है। प्रोटियाज टीम 76 पॉइंट के साथ टॉप पर हैं। डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स ट्रेबल में ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। कंगारू टीम को 15 में से 9 मैच में जीत मिली है। 4 में टीम को हार का मुंह देखना पड़ा है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। टीम 17 में से 9 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल के बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे।

रोहित शर्मा का सबसे बड़ा सिरदर्द हुआ चोटिल, हो सकता है बाहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड भारत को हमेशा परेशान करते हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हेड भारत की हार के कारण बने। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के डे नाइट टेस्ट में उनके शतक की वजह से भारत को हार मिली। गाबा टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया की टीम मुश्किल परिस्थिति में थी। हेड ने आकर शतक लगाया और ऑस्ट्रेलिया की टीम 400 से पार पहुंचने में सफल रही। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड चोटिल हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के दौरान हेड परेशानी में दिख रहे थे। 19 गेंदों पर हेड के बल्ले से 17 रनों की पारी निकली। उन्हें भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने आउट किया। इसके बाद वह फील्डिंग करने के लिए भी नहीं उतरे। उन्हें ग्रोइन इंजरी है। भारत की दूसरी पारी के दौरान ऑस्ट्रेलिया ने हेड की जगह सब्सीट्यूट खिलाड़ी को मैदान पर उतरा। सीरीज के 3 मैच में वह 409 रन बना चुके हैं। अन्य किसी को 250 रन भी नहीं हैं। ट्रेविस हेड को उनकी शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

राजभवन कूच करने पहुंचे कांग्रेसी, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका

संवाददाता देहरादून। विभिन्न मुद्दों को लेकर बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ता राजभवन कूच करने पहुंचे। कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा के साथ प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित प्रमुख नेताओं के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से बड़ी संख्या में राजभवन के लिए कूच करने जाते कांग्रेसियों की पुलिस से तीखी झड़प हुई। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा बेहोश हो गए। पुलिस ने हाथी बड़कला बैरियर के पास राज भवन के लिए निकले कांग्रेसियों को बैरिकेडिंग कर रोक लिया। इस दौरान अंतिम बैरियर तक पहुंचे कांग्रेसियों की पुलिस के साथ की तीखी झड़प हुई।

परीक्षा केंद्र के बाहर से मोबाइल चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता देहरादून। ग्राफिक एरा विवि में परीक्षा केंद्र के बाहर रखे बैगों से छात्राओं के तीन मोबाइल चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। क्लेमनटाउन थानाध्यक्ष दीपक धारीवाल ने बताया कि मंगलवार को शाखी, नंदिनी किशोर ने तहरीर दी। बताया कि बीते 16 दिसंबर को संस्थान में परीक्षा देने गई। परीक्षा केंद्र के बाहर अपने बैग रखे। वापस लौटने पर देखा बैग में रखे तीन मोबाइल फोन चोरी हो गए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आरोपी से पूछताछ में पता लगा कि हाल में शेयर ट्रेडिंग में काफी घाटा हुआ।

विस्थापन के लिए प्रभावित ग्रामीणों ने पीएमओ को पत्र लिखा

संवाददाता ऋषिकेश। ऋषिकेश कर्णप्रयाग ब्राडगेज रेल परियोजना से प्रभावित टिहरी जिले नरेंद्रनगर विकासखंड के बल्याखान के ग्रामीणों पूर्णत विस्थापन की मांग को लेकर पीएम कार्यालय, रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड को पत्र भेजा है। ग्रामीण मैदानी क्षेत्र में विस्थापन की मांग कर रहे हैं। पिछले साल ऋषिकेश कर्णप्रयाग ब्राडगेज रेल परियोजना के कारण गूलर के नजदीक बल्याखान गांव के नीचे रेलवे सुरंग निर्माण के दौरान ब्लास्टिंग होने से 13 ग्रामीणों के मकानों में दरारें आ गई थी।

फर्स्ट जनरेशन फाउंडर्स कॉन्क्लेव का हुआ आयोजन

संवाददाता देहरादून। फर्स्ट जेन फाउंडर्स कॉन्क्लेव 2024 में उत्तराखंड के 66 से अधिक नवोन्मेषी उद्यमी एक साथ आए, जो राज्य के उद्यमशीलता परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। हिमालयन बज की तरफ से धर्मा क्रिएशन्स के सहयोग से देहरादून के होटल रीजेंटा में आयोजित कार्यक्रम का विषय था सीमाओं से परे विस्तारू उत्तराखंड में सहयोगात्मक उद्यमिता, जिसमें राज्य के जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित किया गया।

विरासत के साथ विकास के मॉडल पर कार्य किया जाए: मुख्यमंत्री

निर्देश

- उत्तराखण्ड में वैडिंग डेस्टिनेशन विकसित करने के लिए 04 सप्ताह में पॉलिसी बनाई जाय
- पंतनगर और दून एयरपोर्ट में विमानों की नाइट लैंडिंग की व्यवस्था के लिए जल्द कार्यवाही की जाए

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में वैडिंग डेस्टिनेशन विकसित किये जाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा 04 सप्ताह में पॉलिसी बनाई जाए। पंतनगर और देहरादून एयरपोर्ट में विमानों की नाइट लैंडिंग की व्यवस्था के लिए की जा रही कार्यवाही में तेजी लाई जाए। दो नये शहरों को विकसित करने की कार्ययोजना को धरातल पर लाने के लिए तेजी से कार्यवाही की जाए। गंगा और शारदा कॉरिडोर डेवलपमेंट और डाकपत्थर में बनने वाले नॉलेज सिटी के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्य किये जाएं। जून 2026 तक सभी परियोजनाओं पर विधिवत कार्य प्रारंभ किया जाए।बुधवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की तृतीय बैठक के दौरान ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत के साथ विकास के मॉडल पर कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की आगामी 25 साल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विकास योजनाओं का सुनियोजित प्लान कर कार्य किये जाएं। 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य में भी अल्पकालिक, लघुकालिक और दीर्घकालीन योजनाओं पर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड के तहत सभी परियोजनाओं से संबधित क्षेत्रों के विकास के लिए सुनियोजित तरीके से कार्य किया जाए। जनप्रतिनिधियों और स्टेक होल्डरों के सुझावों को शामिल कर परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश को वैडिंग डेस्टिनेशन के रूप में पहचान दिलाने के लिये विभिन्न स्थलों का चयन कर वहां अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर ध्यान देने को कहा। इसके लिए वेडिंग प्लानरों, होटल समूहों से सहयोग लेकर इसके प्रचार प्रसार पर भी ध्यान देने पर बल दिया।

बैठक में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक मदन कौशिक, रेनू बिष्ट, उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, दिलीप जावलकर, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, विनय शंकर पाण्डेय, डॉ. आर राजेश कुमार, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, जिलाधिकारी पौड़ी डॉ. आशीष चौहान, जिलाधिकारी हरिद्वार कर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दो नये शहरों को विकसित करने की कार्ययोजना तेजी से की जाए

राज्यों में दो नये शहरों के विकास और सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए स्पष्ट कार्ययोजना के तहत कार्य करने के उन्होंने निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यूआईआईडीबी की परियोजनाओं के तहत पर्यटन और तीर्थाटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। गंगा और शारदा कॉरिडोर के पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राज्य हित में जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिये यूआईआईडीबी का गठन किया गया है, उसके परिणाम शीघ्र धरातल पर दिखाई दें।

व्यवस्था ऐसी बने, न तो ब्रांड मसूरी खराब हो, और न हो कोई दिक्कत

बैठक

- सेटेलाईट पार्किंग, शटल सेवा, गोल्फकार्ट सब जनमानस की सुविधा के लिए :डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने शीतकालीन पर्यटन एवं मसूरी में यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के साथ राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आगामी शीतकालिन पर्यटन के दौरान यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की।

जिलाधिकारी ने विन्टरलाईन कार्निवाल,क्रिसमस एवं नववर्ष के दौरान मसूरी में पर्यटकों की भारी आमद की संभावनाओं के दृष्टिगत व्यवस्थाएं बनाने हेतु सम्बनिधत विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मसूरी में जनमानस एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए सुगम व्यवस्था बनाने तथा मसूरी में यातायात सुचारू रहे तथा जाम की स्थिति न बने इसके लिए प्रभावी प्लान बनाने के निर्देश दिए। साथ ही मसूरी रोड पर कुठालगेट के समीप अस्थायी पार्किंग स्थल चिन्हित करने, जिसमें वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था के साथ ही कैन्टीन, पेयजल, शौचालय आदि समुचित सुविधा हों को विकसित किया जाए।

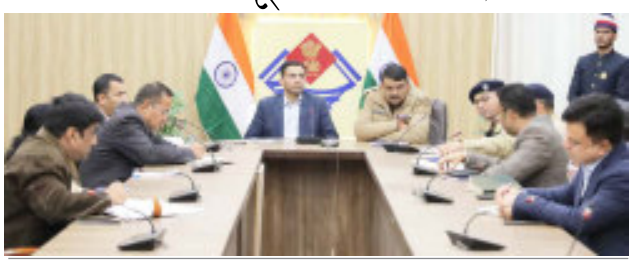

जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि विन्टर सीजन के दौरान मसूरी में व्यवस्थाओं कार्यक्रम के सम्बन्ध में रेडियो जिंगल के माध्यम से सूचना प्रसारित की जाएं तथा यातायात पुलिस को यातायात प्लान जाम की स्थिति के सम्बन्ध में भी समय–समय पर अपडेट डाले जाएं, जिससे पर्यटकों को सुगमता बनी रहे। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्किंग स्थलों से शटल सेवा आदि समुचित योजना पर विस्तृत प्लान तैयार करें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की प्लान तैयार करने से पूर्व स्थानीय स्टेकहोल्डर्स व्यापारियों से समन्वय करते हुए पर्यटकों एवं जनमानस की सुविधा के दृष्टिगत तैयार किये जा रहे प्लान चर्चा कर ली जाए।

नेशनल गेम्सः वॉलंटियर बनने का क्रेज, तैयारी तेज

संवाददाता देहरादून। 38 वें नेशनल गेम्स की तेज होती तैयारियों के बीच वॉलंटियर बनने का जबरदस्त क्रेज है। कॉलेजों के छात्रों से लेकर रिटायर्ड आर्मी अफसर तक वॉलंटियर बनने के लिए लाइन में हैं। यही नहीं, उत्तराखंड से बाहर के अन्य प्रदेशों से भी रजिस्ट्रेशन कराए जा रहे हैं। स्थिति यह है कि रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा दस हजार तक पहुंचने वाला है। हालांकि विभाग की आवश्यकता दो से ढाई हजार वॉलंटियर्स की है। नेशनल गेम्स के शुभंकर समेत अन्य प्रतीकों की लॉचिंग के बाद रजिस्ट्रेशन में तेजी आई है। नेशनल गेम्स सचिवालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिन्हा के अनुसार नेशनल गेम्स जैसे बड़े आयोजन के लिए सभी का सहयोग लिया जा रहा है। वॉलंटियर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया फिलहाल गतिमान है। वॉलंटियर नेशनल गेम्स के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।